# मास्को रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य

दिनांक 8 मई, 2005
नई दिल्ली

रूसी संघ द्वारा "विजय दिवस " की 60वीं वर्षगांठ मनाए जाने के यादगार अवसर पर शामिल होने के लिए मैं मास्को जा रहा हूँ। इस यादगार अवसर पर अन्य कई महत्वपूर्ण देशों के साथ भारत भी शामिल होगा।

इस अवसर पर हम दूसरे विश्व युद्ध के दौरान फासीवादी और नाजीवादी शक्तियों को परास्त करने में रूस तथा अन्य सहयोगी देशों द्वारा किए गए असीम बलिदान को याद करते हैं। इसके लिए भारत के कई हजार सैनिकों ने भी अपने प्राणों की आहुति दी थी।

हम रूस के साथ अपने सम्बंधों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। रूस हमारा एक जांचा-परखा मित्र रहा है और उसने जरूरत के समय भारत का साथ दिया है। मैं मास्को में राष्ट्रपति श्री ब्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी मुलाकात की उत्सुकता के साथ प्रतीक्षा कर रहा हूँ। हमारी चर्चा पिछले वर्ष दिसम्बर में राष्ट्रपति पुतिन की भारत की सफल यात्रा तथा सामरिक भागीदारी के हमारे सम्बंधों को और मजबूत करने के हमारे सामूहिक उद्देश्य पर लक्षित होगी। हमारे तेजी से आगे बढ़ रहे सम्बंधों को उस समय और अधिक गति मिलेगी जब हमारे राष्ट्रपति जी इस महीने के अन्त में रूसी संघ की राजकीय यात्रा करेंगे।

मैं यह भी आशा करता हूँ कि इस अवसर पर मुझे मास्को में उपस्थित कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान तथा रोमानिया के राष्ट्रपतियों सहित अन्य देशों के कई नेताओं से मुलाकात करने का अवसर मिलेगा।

---